कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B++) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:जुलाई-2025

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:जुलाई-2025

JULY-2025

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	09.07.2025 बुधवार	महाविद्यालय	वृक्षारोपण महाभियान	1
2	10.07.2025 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	गुरु पूर्णिमा पर महाविद्यालय में गुरु सम्मान समारोह का आयोजन	2
3	24.07.2025 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	अरावली पत्रिका का विमोचन	3
4	25.07.2025 शुक्रवार	रक्षाअध्ययन विभाग	कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम	4
5	25.07.2025 शुक्रवार	महाविद्यालय	करियर काउंसलिंग कार्यशाला आयोजित	5–6
6	29.07.2025 मंगलवार	प्राणि विज्ञान विभाग	'द इंटरनेशनल टाइगर डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान	6–7
7	29.07.2025 मंगलवार	महाविद्यालय	तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस का उद्घाटन	7–8
8	30.07.2025 मंगलवार	महाविद्यालय	तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस का द्वितीय दिवस	8–9
9	31.07.2025 मंगलवार	महाविद्यालय	तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस का समापन सत्र	9
10	31.07.2025 मंगलवार	हिन्दी साहित्यक केन्द्र	गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर 'राम कथा तथा वैश्विक परिप्रेक्ष्य' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान	10

महाविद्यालय द्वारा वृक्षारोपण महाभियान

दिनांक 09 जूलाई 2025 को महाविद्यालय में वृक्षारोपण महाअभियान –2025 "एक पेड़ माँ के नाम" के अर्न्तगत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह और आई.क्यू. ए.सी. समन्यवक प्रो.(डॉ.) परीक्षित सिंह के द्वारा महाविद्यालय के प्रांगण में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने पर्यावरण सुरक्षा के बारे में जागरूक करते हुए इसके प्रति हमारे कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प दिलाया तथा 2025 के वृक्षारोपण महाभियान द्वारा कहा कि हम न केवल प्राकृतिक सौंदर्य को संवारेगे, बल्कि पृथ्वी के स्वास्थ्य को भी संरक्षित करेंगे।

कार्यक्रम में आई.क्यू.ए.सी. समन्यवक प्रो.(डॉ.) परीक्षित सिंह ने वृक्षारोपण के लाभ के बारें में बताते हुए कहा की वृक्षारोपण हमारे ग्रह और मानव जीवन के लिए अनेक लाभ प्रदान करता है। पेड़ प्रदूषण को अवशोषित करके स्वच्छ वायु देते हैं। कार्बनडाई आक्साइड को कम कर जलवायु परिवर्तन से लड़ते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर महाविद्यालय में गुरु सम्मान समारोह का आयोजन

10.07.2025 को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महाविद्यालय में एक भव्य गुरु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने अपने अभिभावक स्वरूप आदरणीय प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी का तिलक कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. सिंह ने अपने संबोधन में सभी उपस्थितजनों को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के इस आत्मीय प्रयास से मैं अत्यंत अभिभूत हूँ। गुरु के प्रति आपके सम्मान ने मेरे हृदय को गहराई तक स्पर्श किया है लेकिन गुरु दक्षिणा के रूप में मेरी आपसे यह विनम्र अपेक्षा है कि आप सभी अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से निर्वहन करें। **इस आयोजन में कॉलेज के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।**

महाविद्यालय पत्रिका अरावली का पूज्य महाराज जी द्वारा विमोचन

महाविद्यालय पत्रिका अरावली का पूज्य महाराज जी द्वारा विमोचन दिनांक 24.07.2025 को महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण रहा जब पूज्य महाराज श्री महंत योगी आदित्यनाथ जी के कर–कमलों द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका अरावली का विधिवत विमोचन किया गया। यह कार्यक्रम गोरखनाथ मन्दिर के बैठक कक्ष में आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य एवं गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूज्य महाराज जी ने अपने आशीर्वचनों में पत्रिका अरावली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह न केवल विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करती है, अपितु महाविद्यालय की गतिविधियों का दर्पण भी है। उन्होंने युवाओं को अपनी भाषा, संस्कृति और मूल्यों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि अरावली पत्रिका में विद्यार्थियों के लेख, कविताएँ, चित्र, शोध–पत्रों सहित विभिन्न शैक्षणिक व सहशैक्षणिक गतिविधियों को संजोया गया है।

JULY-2025

रक्षाअध्ययन विभाग द्वारा कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम

कार्यक्रम में दिनांक 25 जुलाई 2025 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजि रक्षाअध्ययन विभाग द्वारा कार्यक्रम में बलवान सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, महाविद्यालय भटवली बाजार, भटवली, उनवल, गोरखपुर मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर उद्बोधन में उन्होंने कहा कि कारगिल, भारत और पाकिस्तान के बीच एक विशेष क्षेत्र है, जो जम्मू कश्मीर राज्य में स्थित है। कारगिल द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर पर निगरानी हेतु आवश्यक है, जिस पर भारत का आधिपत्य है। 1998 में पोखरण के द्वितीय परीक्षण के प्रतिक्रिया स्वरूप पाकिस्तान ने अपना भी परमाणु परीक्षण किया था। जिससे पाकिस्तान को यह अहंकार हो गया कि भारत उसका सीधा प्रतिरोध नहीं करेगा क्योंकि वह भी एक परमाणु शक्ति राष्ट्र है। 1999 में लाहौर बस यात्रा के बाद पाकिस्तान ने भारत के नियंत्रण वाले कारगिल क्षेत्र में शरद ऋतु में भारतीय सैनिकों द्वारा खाली किए गए बंकरो में घुसपैठ करना प्रारंभ कर दिया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.)ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि इस संघर्ष में भारतीय सैनिकों को कितनी विषम भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ा होगा, इसका आंकलन करना बहुत कठिन है।

महाविद्यालय में करियर काउंसलिंग कार्यशाला

दिनांक 25.07.2025 को महाविद्यालय एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय करियर काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव थे। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ''आज की युवा पीढ़ी जागरूक, आत्मनिर्भर और संभावनाओं से भरी है।'' उन्होंने कहा कि पहले के समय में यह धारणा प्रचलित थी कि 'खेलोगे–कूदोगे तो होगे खराब, पढ़ोगे–लिखोगे तो बनोगे नवाब', लेकिन आज के युग में यह विचारधारा बदल चुकी है। अब शिक्षा के साथ–साथ खेल, कला, डिजिटलीकरण, तकनीकी प्रशिक्षण एवं स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में भी असीम संभावनाएं हैं।

विशिष्ट अतिथि श्री रास बिहारी चतुर्वेदी, सहायक निदेशक, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, गोरखपुर थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न रोजगारोन्मुखी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसके बाद गुरुजनों के मार्गदर्शन में लगातार प्रयास करें। उन्होंने यह भी बताया कि सेवायोजन कार्यालय निरंतर

रोजगार मेलों का आयोजन करता है जिससे छात्रों को अपने गृह जनपद में ही रोजगार के अवसर मिल सकें। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने प्रेरक अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि** आज का समय सिर्फ सरकारी नौकरी की अपेक्षा में बैठने का नहीं है, बल्कि निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, स्वरोजगार और नवाचार की ओर बढ़ने का समय है।

प्रो. सिंह ने ऑनलाइन शिक्षा के बढ़ते प्रभाव पर भी चर्चा की और छात्रों को इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्षों से सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने महाविद्यालय की एक उल्लेखनीय उपलब्धि साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष 18 विद्यार्थियों ने यूजीसी–नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों की लगन का प्रतीक है।

प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा 'द इंटरनेशनल टाइगर डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 29.07.2025 को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग एवं जूलॉजिकल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में 'द इंटरनेशनल टाइगर डे' विषय पर ऑनलाइन विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

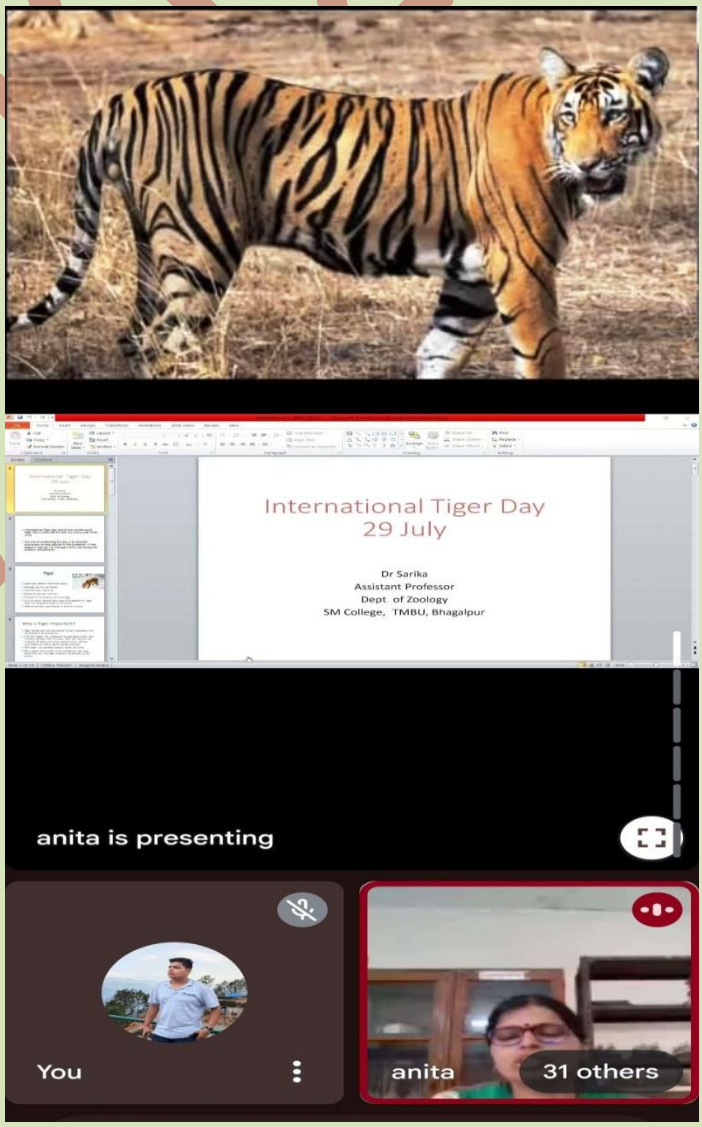

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता एस.एम. कालेज, भागलपुर के प्राणी विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सारिका सिंह थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस दिवस का उद्देश्य इस खूबसूरत और महत्वपूर्ण प्राणी के संरक्षण की ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करना है। साल 2010 में एक सर्वे के अनुसार जंगली बाघों की संख्या में 95 प्रतिशत की कमी आई थी जो कि एक खतरे की घंटी है। हालांकि हाल ही में भारत में बाघों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है।

JULY-2025

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ) ओमप्रकाश सिंह ने बाघों के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि बाघ भारत का राष्ट्रीय पशु है जो मजबूती और स्फूर्ति का प्रतीक है। महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी कोऑर्डिनेटर और वनस्पति विज्ञान के प्रो. (डॉ) परीक्षित सिंह ने कहा यह एक कीस्टोन प्रजाति है और यदि इसकी संख्या कम हुई तो अन्य प्रजातियां भी विलुप्त हो सकती हैं। **कार्यक्रम के सह–संयोजक डॉ. हिमांशु यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन किया।**

तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस का उद्घाटन

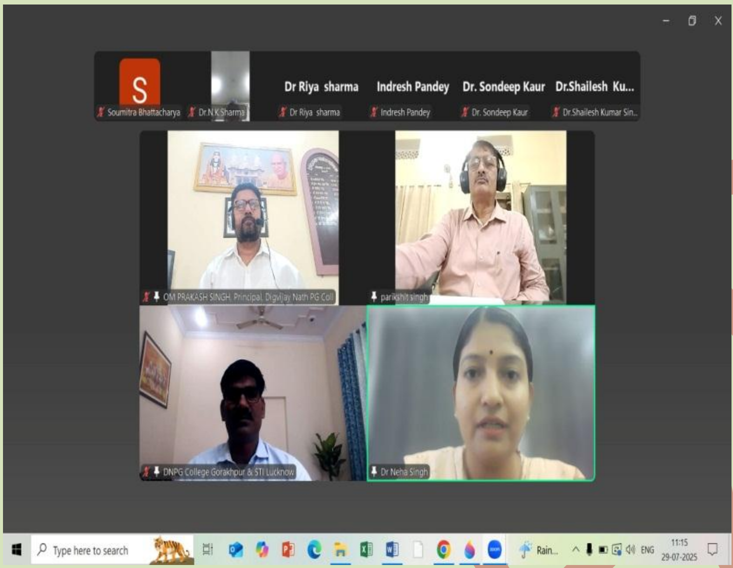

महाविद्यालय एवं 'मनराज कुंवर सिंह एजुकेशनल सोसाइटी' द्वारा संचालित 'साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ' के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन दिनांक 29.07. 2025 को उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. संजय कुमार, नोडल अधिकारी एवं प्रोफेसर, पैथोलॉजी विभाग, पी.जी.आई. एम.एस रोहतक थे। उन्होने 'मल्टीडिसिपलिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन (ICAIR–2025)' विषय पर बोलते हुए कहा कि मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन का तात्पर्य है विभिन्न शैक्षणिक व वैज्ञानिक क्षेत्रों की अंतः विषयात्मक सहभागिता से नई खोजों, समाधानों और तकनीकों का विकास। विशेषकर चिकित्सा क्षेत्र में यह दृष्टिकोण रोगों की सटीक पहचान, उपचार और रोकथाम में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है।

कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर ने मुख्य अतिथि सहित भारत एवं अन्य देशों से जुड़े शिक्षकों एवं शोधार्थियों का स्वागत करते हुए

आयोजन समिति सहित सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी एवं कहा कि आप सभी की भागीदारी इस आयोजन को और भी मूल्यवान बनाती है और बहु–विषयक ज्ञान एवं नवाचार की खोज के प्रति आपकी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। **कार्यक्रम संयोजक प्रो. परीक्षित सिंह, कॉर्डिनेटर आई.क्यू.ए.सी, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर** ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह कॉन्फ्रेंस ज्ञान साझा करने, अकादमिक संवाद और सहयोगात्मक सोच के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करता है जो अनुशासनात्मक सीमाओं से परे है। यह ऐसे नेटवर्क बनाने का अवसर है जो भविष्य के नवाचारों और अनुसंधान–आधारित विकास को पोषित करेंगे।

तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस (द्वितीय दिवस)

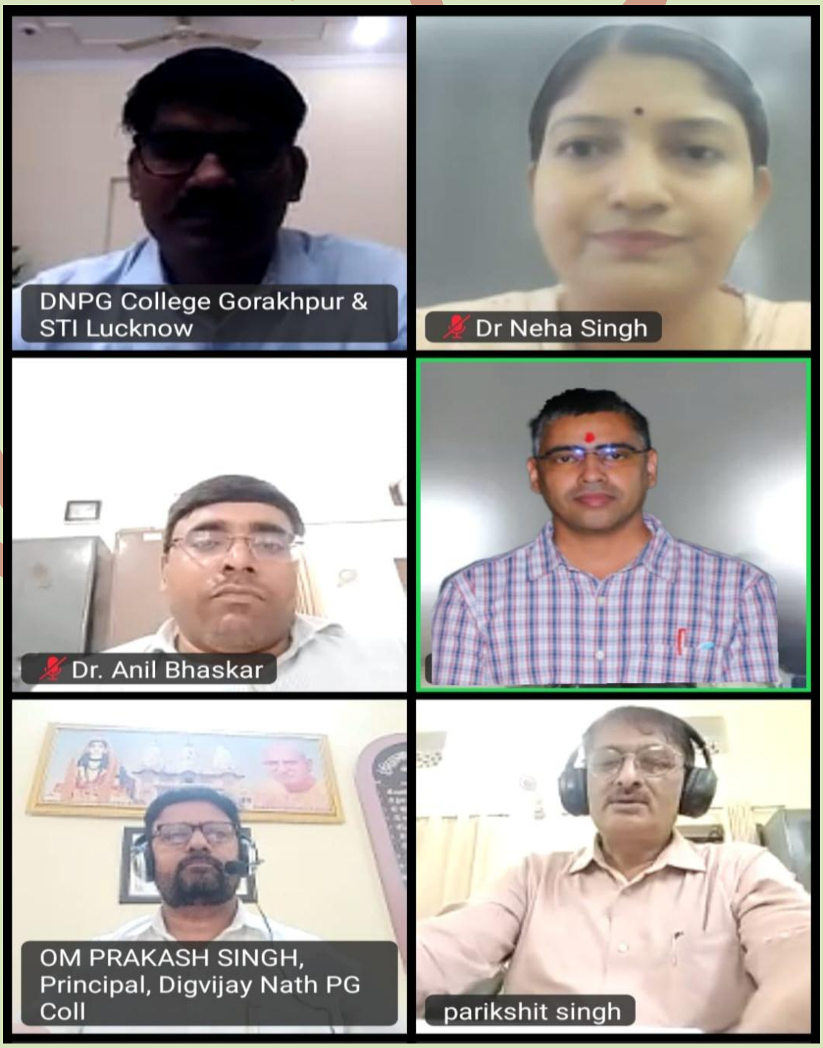

दिनांक 30.07.2025 को एवं 'साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ' के संयुक्त तत्वावधान में 29 से 31 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दूसरे दिन मुख्य अतिथि डॉ. नेहा सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जे.एन.एम मेडिकल कॉलेज, रायपुर ने विषय 'स्वास्थ क्षेत्र में मल्टीडिसिपलिनरी रिसर्च एवं इनोवेशन' विषय पर बोलते हुए कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य सेवाओं की जटिलताओं को समझने और प्रभावी समाधान विकसित करने के लिए बहु–विषयक शोध अत्यंत आवश्यक है। डॉ. नेहा ने यह भी सुझाव दिया कि आज के युवा शोधकर्ताओं को एकल अनुशासन की सीमा से बाहर निकलकर अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ मिलकर कार्य करना चाहिए। मुख्य वक्ता के उद्बोधन के पश्चात तकनीकी सत्र में 68 शिक्षकों एवं शोधार्थियों द्वारा अपने शोध पत्रों का वाचन किया गया।

तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस (समापन सत्र)

दिनांक 31.07.2025 को महाविद्यालय एवं 'साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ' के संयुक्त तत्वाधान में 29 से 31 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन इंटरनेशनल कांफ्रेंस के अंतिम दिन मुख्य अतिथि डॉ. धर्मेंद्र कुमार यादव, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ऐंड फैमिली वेल्फेयर अंडर द मिनिस्ट्री ऑफ फैमिली वेल्फेयर, नई दिल्ली ने विषय 'मल्टीडिसिपलिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन' विषय पर बोलते हुए कहा कि आज के ज्ञान–विज्ञान के युग में मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च एंड इनोवेशन (बहुविषयी अनुसंधान और नवाचार) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। यह शोध की वह पद्धति है, जिसमें विभिन्न विषयों जैसे विज्ञान, मानविकी, तकनीकी, चिकित्सा, पर्यावरण, समाजशास्त्र आदि को एकीकृत करके जटिल समस्याओं का समाधान खोजा जाता है।

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्राचार्य, दिग्विजय नाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कॉन्फ्रेंस के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस.के. सिंह, महासचिव, साइंस टेक इंस्टीट्यूट, लखनऊ ने किया।

JULY-25

हिन्दी विभाग द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर 'राम कथा तथा वैश्विक परिप्रेक्ष्य' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 31.07.2025 को महाविद्यालय के साहित्यिक केंद्र एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद् गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर 'राम कथा तथा वैश्विक परिप्रेक्ष्य' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इसके मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा प्राचार्य कर्मा देवी पी.जी. कॉलेज, बस्ती थे अपने उद्बोधन में बताया कि वैश्विक पटल पर अनेक रामायण उपलब्ध है, जो अनेक भाषाओं में है किंतु इन सब के केंद्र में राम ही है तथा रामकथा है। इन सब में तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' का प्रमुख स्थान है। मध्य एशिया के देशों में राम तथा विशेष रूप से सीता माता का स्थान महत्वपूर्ण विशेष कर श्रीलंका में माता जानकी की ही पूजा की जाती है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि रामकथा ऐसा विषय है जो परिधि से परे है इसका कोई ओर–छोर नहीं है। रामचरितमानस विद्या का ग्रंथ है जिसमें राम और तुलसी अभिन्न है, दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए है। तुलसी ने राम को जिस रूप में प्रस्तुत किया वह प्रत्येक जगह ग्राह्य हो सका। तुलसी के राम कथा का एक प्रयोजन है। यह प्रयोजन है, राम के चरित्र के माध्यम से संस्कार मर्यादा की शिक्षा देना। रामचरितमानस लोकमंगल का काव्य है।